वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 298 | गुरुवार 23 फरवरी 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

प्रतिभागियों ने जाने गांवों को स्मार्ट बनाने के तरीके

जयपुर. कासं

पूर्णिमा यूनिवर्सिटी के सिविल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट तथा भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल टीचर्स ट्रेनिंग एंड रिसर्च की ओर से यूनिवर्सिटी में पांच दिवसीय शॉर्ट टर्म कोर्स आयोजित किया गया। **''मेकिंग विलेजेस स्मार्ट''** विषय पर आयोजित इस प्रोग्राम में विभिन्न संस्थानों के सिविल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के करीब 50 फैकल्टी मेंबर्स व स्टूडेंट्स शामिल हुए। सविल इंजीनियरिंग के एचओडी डॉ. अंकुश कुमार जैन ने बताया कि पूर्णिमा यूनिवर्सिटी को एनआईटीटीआर का नोडल सेंटर बनाया गया है, जिसके तहत समय-समय पर यहां इस तरह के फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम और शॉर्ट टर्म कोर्स आयोजित कराए जाते हैं।

उर्दू अकादमी की ओर से आयोजित सिम्पोजियम का समापन

डॉ. सरवत खान बोली- मोलाना आजाद का विजन ही उनका मिशन था

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान उर्दू अकादमी की ओर से आयोजित नेशनल सिम्पोजियम का समापन बुधवार को हुआ। अकादमी के चेयरमैन डॉ. हुसैन रजा खान ने बताया कि स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री मोलाना अब्दुल कलाम आजाद की पुण्यतिथि पर यह सिम्पोजियम आयोजित हुई। यह आयोजन एमडी रोड स्थित मुस्लिम गर्ल्स कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान के जाने-माने बच्चों के डॉक्टर विवेक शर्मा मौजूद थे। उन्होंने अब्दुल कलाम आजाद का गहन अध्ययन किया हुआ है। सिम्पोजियम में उन्होंने आजाद के कार्यों और शिक्षा में दिए योगदान के बारे में जानकारी दी। सिम्पोजियम की मुख्य वक्ता मीरा गर्ल्स कॉलेज उदयपुर की डॉ सरवत खान थी। उन्होंने विषय पर विस्तार से बात की। आजाद के जीवन, उनकी वर्किंग स्टाइल, शिक्षा पर किए गए प्रयोगों पर अपनी बात रखी। समारोह की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष जाकिर जुबेरी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में संस्था के सेक्रेटरी शब्बीर खान और उर्दू अकादमी के चेयरमैन डॉ हुसैन रजा खान थे। छात्रों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ शाइस्ता ने किया। कॉलेज की प्राचार्य डॉ जहां आरा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में उर्दू कॉलेज के सदस्य अब्दुल हक और अकादमी की सदस्या डॉ हुस्न आरा भी मौजूद रहे।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री ने महिला बाल विकास विभाग की ली समीक्षा बैठक

राज्य की महिला बाल विकास मंत्री ने विभाग में संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति से करवाया अवगत

जयपुर. शाबाश इंडिया

महिला बाल एवं बाल विकास, बाल अधिकारिता मंत्री ममता भूपेश की केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी के साथ बुधवार को जयपुर स्थित राजस्थान शासन सचिवालय से वी सी द्वारा आयोजित समीक्षा बैठक में राज्य के महिला एवं बाल विकास विभाग तथा बाल अधिकारिता से सम्बंधित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा कर समीक्षा की गई। केंद्रीय मंत्री ने वीसी के माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक में राजस्थान महिला एवं बाल विकास तथा बाल अधिकारिता विभाग के विभिन्न कार्यों एवं योजनाओं की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। इसके साथ ही राजस्थान की ओर से नए कार्यों के प्रस्ताव दिए जाने पर त्वरित प्रभाव से विचार कर स्वीकृति दिए जाने का आश्वासन दिया। राज्य के बजट में 8 हजार नई आंगनबाड़ी केंद्रों तथा 2 हजार नई मिनी आँगनबाड़ी केंद्रों की घोषणा के क्रियान्वयन हेतु राज्य की महिला एवं बाल विकास तथा बाल अधिकारिता मंत्री ममता भूपेश ने केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी से इस हेतु केंद्रीय अंशदान के लिए आग्रह किया जिस पर उन्होंने ढांचागत विकास के अतिरिक्त पोषण और अन्य व्यय के लिए अंशदान देने पर सहमति जताई। समीक्षा बैठक में अन्य बिंदुओं के तहत केंद्रीय मंत्री ने देश भर में 40 हजार सक्षम आंगनबाड़ी बनाने के तहत राज्य में 215 सक्षम आंगनबाडी बनाने की योजना बताई जिस पर प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री ने केंद्रीय मंत्री से आग्रह करते हुए कहा कि जहां देश भर में 40 हजार सक्षम आंगनबाड़ी की योजनाएं हैं वहां राजस्थान के लिए मात्र 215 सक्षम आंगनबाडी की स्वीकृति बहुत कम है। इस पर केंद्र की ओर से कहा गया कि यह प्रथम चरण है अगले चरण में आपके प्रस्ताव अनुसार अधिक सक्षम आंगनबाड़ी हेतु स्वीकृति दी जाएगी। इसके साथ ही केंद्रीय महिला एवं बाल विकास विभाग ने राजस्थान जीएमडी उपकारणों, स्मार्टफोन के लिए बजट उपलब्ध करवाने पर सहमति जताई। बैठक में निदेशक समेकित बाल विकास सेवाएं तथा आयुक्त महिला अधिकारिता रामावतार मीणा, अतिरिक्त निदेशक समेकित बाल विकास सेवाएं लोकेश सहल तथा विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सम्मेद शिखर के तलहटी निमियाघाट में अन्तर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महामुनिराज के सानिध्य में

भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव भव्यता के साथ संपन्न हुआ

निमियाघाट,पारसनाथ. शाबाश इंडिया

जैन संत अन्तर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महामुनिराज के सानिध्य में सम्मेदशिखर जी की तलहटी के अतिशय क्षेत्र निमियाघाट में पंचकल्याणक का आज पांचवा दिन मोक्ष कल्याणक पर्व के रूप में मनाते हुये जिसमे प्रातः सुबह भगवान की पूजा अभिषेक के साथ राजेश जैन अग्नि कुमार देव के द्वारा अग्नि लगाते ही भगवान का मोक्ष हुया।इस अवसर पर आचार्य श्री ने कहा कि ऐसा पंचकल्याणक पहली बार विजय कासलीवाल के द्वारा किया जिसमें किसी भी तरह का कोई डाक नही हुआ ।इसमे सभी पात्र को त्याग के रूप में बनाया गया और पांचों दिन में कोई डाक कोई रसीद कोई चंदा नही किया इसके लिए मंदिर निर्माण कर्ता विजय-राजू कासलीवाल को बहुत बहुत साधु वाद दिया पंचकल्याणक में बैठे सभी इन्द्रगण ने कासलीवाल को माला मुकुट,शाल उढ़ाकर स्वागत किया। आचार्य श्री ने आगे कहा कि इन्द्रो को इंद्र बनने के बाद अपने आप को धर्म के मार्ग पर लगाते हुये ज्यादा से ज्यादा त्याग की ओर बढ़ना चाहिए । भगवान को पत्थर से भगवान बनाने में आप ने सभी किर्या को किया उसी तरह अपने जीवन को भी त्याग और तप कर उत्कृष्ट श्रावक बनाना चाहिए । इसी क्रम में आचार्य श्री ने कहा कि हमारे आचार्य श्री 108 पुष्प दंत सागर जी गुरूवर ने हमको तीन बातें का सूत्र दिया है पहला जिस समाज मे जाओ वहाँ की पध्दति को नही छेड़ना। दूसरा समाज के किसी वाद विवाद को नहीं सुलझाना। तीसरा समाज में हमेशा मीठा-मीठा परोसना चाहिए, वो मैं अपने विहार में सभी को मीठा-मीठा परोस रहा हुं, उसके बाद मंदिर में कलशारोहण किया गया साथ ही आज निमियाघाट के पुराने अतिशय युक्त 1008 पारसनाथ भगवान की मंदिर में स्वर्णमयी कलशारोहण आचार्य श्री ने कराया।दिन में स्वाध्याय क्लास के बाद अन्तर्मना आचार्य श्री के द्वारा निमियाघाट में 20 कमरों का संत निवास का शिलान्यास किया।संध्या में उपाध्याय सौम्य मूर्ति 108 पीयूष सागर जी मुनिराज के निर्देशन में गुरुभक्ति की गई साथ ही पूरा पंचकल्याणक में पूरा निर्देशन दिया, इस अवसर पर कहा कि मार्ग समाप्त मंजिल की प्राप्ति है यही मोक्ष कल्याणक है।इस पंचकल्याणक के मुख्य प्रतिष्ठा चार्य ओर सभी कार्यक्रम को अच्छा संयोजक करने वाले ब्रमचारी तरुण भैया ने किया। आचार्य श्री संघ के संघपति दिलीप जैन हुम्मड ने बताया कि आचार्य ससंघ का मंगल विहार 23 फरवरी को रांची की ओर हो रहा है और आकाश जैन ने बताया कि फुसरो ,बोकारो, होते हुए 5 मार्च तक रांची पहुँचने की संभावना है। इस कार्यक्रम मे विशेष रूप से मनोज-वंदना गंगवाल धनबाद आदि शामिल हुये।

कोडरमा मीडिया प्रभारी राज कुमार अजमेरा।

हम भी भगवान की तरह पुरुषार्थ कर भगवान बन सकते हैं: आचार्य श्री विमर्श सागर

राजेश रागी/रत्नेश जैन. शाबाश इंडिया

बकस्वाहा। सर्वज्ञ प्रभु की वाणी में सबका हित निहित है। आप प्रतिदिन मंदिर आते हैं आपका मंदिर आने का क्या कारण है? मंदिर आने का हमारा एक ही प्रयोजन होना चाहिए कि मुझे भी भगवान बनना है। मंदिर में भगवान के दर्शन करते हुए हमें यह विचार करना चाहिए कि भगवान भी पूर्व अवस्था में मेरे ही समान थे उन्होंने अपनी आत्मा से अवगुणों को हटाकर आत्मा के स्वभाव रुप गुणों को प्राप्त कर लिया है। मेरे अंदर भी भगवान के समान वे सभी गुण मौजूद हैं , अब मैं भी भगवान की तरह पुरुषार्थ करके भगवान की तरह अनंत गुण वैभव को प्राप्त करूंगा। उपरोक्त उदगार बकस्वाहा के श्री पारसनाथ दिग. जैन मंदिर परिसर में द्वितीय दिवस आयोजित धर्मसभा में ' जीवन है पानी की बूंद ' महाकाव्य के मूल रचयिता, बुंदेलखण्ड गौरव, भावलिंगी संत, राष्ट्रयोगी आचार्य श्री 108 विमर्श सागर जी महामुनिराज ने अपने प्रवचन मे कहें। आचार्य श्री ने कहा कि यदि हमें धर्म प्राप्त करना है तो हमें अधर्म का भी पता होना चाहिए। जब हमें यह पता होगा कि क्रोध अधर्म है तब हम उसे त्याग कर क्षमा धर्म को प्राप्त करने का पुरुषार्थ कर सकेंगे। जब हमें अपने वस्त्र की मलिनता का भान होगा तब ही हम उसे साफ करने व धोने का प्रयास पुरुषार्थ करेंगे। हम अधर्म को जानकर उसे त्याग कर अपनी आत्मा के स्वभाव रूप धर्म को प्राप्त करें। बुधवार को द्वितीय दिवस आचार्य श्री विमर्श सागर जी महाराज का ससंघ 25 पिच्छीधारी से अधिक साधु व आर्यिका माताजी सहित विशाल चतुर्विध संघ की आहार चर्या भी सम्पन्न हुई। दोपहर उपरांत आचार्यश्री का संघ सहित हीरापुर की ओर बिहार हुआ, रात्रि विश्राम गडोही मे होगा और गुरुवार की आहारचर्या हीरापुर ग्राम मे ।

असम के राज्यपाल पद कि शपथ लेते श्री गुलाब चंद जी कटारिया

मुनि पुगंव श्री सुधा सागर जी महाराज ने कहा...

भगवान के पास अपरम्पार रिद्धि-सिद्धि है हम कुछ लेकर जायेंगे तो मिलेगी

महामहोत्सव के समापन पर चलेंगे गजरथ। समवशरण की रचना कर भगवान का ज्ञान कल्याणक मनाया।

टीकमगढ़. शाबाश इंडिया

शहर के ढौगा मैदान पर बसाई गई अयोध्या नगरी में शहर की नंदीश्वर कॉलोनी स्थित आदिनाथ धाम त्रिकाल चौबीसी का पंचकल्याणक महोत्सव बड़े ही धूमधाम एवं भक्ति भाव के साथ हो रहे हैं जिसमें बुंदेलखंड सहित देशभर से प्रतिदिन 25 से 30,000 हजारों श्रद्धालु महा महोत्सव में शामिल होने के लिए आ रहे हैं। यह महोत्सव निर्यापक मुनि श्री सुधासागर जी महाराज एवं छुल्लक 105 श्री गंभीर सागर जी महाराज के सानिध्य में चल रहा है । महोत्सव के प्रतिष्ठा चार्य ब्रह्मचारी प्रदीप भैया जी अशोक नगर के निर्देशशन में चल रहा है। शाम को 6:00 बजे से जिज्ञासा समाधान का ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिसका संचालन अमित भैया जी जबलपुर के द्वारा किया जा रहा है।

हम भगवान को हृदय में बसा लेंगे तो कल्याण हो जायेगा: सुधा सागर जी महाराज

आज ज्ञान कल्याणक की विशाल सभा को सम्बोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने कहा कि भगवान के दर पर हमेशा भेंट लेकर जाना ये भेंट बड़ों का सम्मान है और बड़ों के दर पर खाली हाथ नहीं जाना चाहिए खाली जाओगे तो खाली ही लौटना पड़ेगा प्रभु तो दातार है सब कुछ दे सकता है उसके पास अपरम्पार रिद्धि सिद्धिया है जो चाहे दे सकते हैं उनकी दृष्टि उठ जाये तो कुछ भी हो सकता है लेकिन हमें भगवान की दृष्टि नहीं चाहिए हमे भगवान पर दृष्टि लगाये रखना है भगवान की दृष्टि से कुछ नहीं होगा हम भगवान को हृदय में वसा लें तो कल्याण हो जायेगा मैं कह रही है भगवान से कुछ मांगना नहीं देना वे आये तो आप देने के लिए तैयार रहना वो देने आया है हम देने खड़े है पहले वो ले लेगा और फिर मालामाल कर देगा संसार की नीति है पहले दो फिर लो और परमार्थ की नीति हैपहले लो वाद में दो पुण्य वो है जो देने के लिए तैयार रहें। मीडिया प्रभारी प्रदीप जैन बम्होरी ने बताया कि निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज के पाद प्रक्षालन चित्र अनावरण एवं शास्त्र भेंट का सौभाग्य श्रीमती किरण जैन सुभाष धमासिया संजय धमासिया को प्राप्त हुआ।

खाली हाथ आने वाले खाली ही रहेगा इसलिए कुछ लेकर आये

मुनि श्री ने अपने प्रवचनों में कहा कि आज हम केवल ज्ञान कल्याणक मनाने जा रहे हैं आज पंचकल्याणक महोत्सव का चौथा दिन है मुनि श्री ने कहा कि जब भी हम भगवान के दरबार में जाते हैं कुछ ना कुछ लेकर के जाना चाहिए अगर हम खाली हाथ जाएंगे तो खाली हाथ वापस आना पड़ेगा। अगर भगवान के दरबार में हम कुछ भेंट लेकर जाएंगे तो वापिस कुछ ना कुछ हमें जरूर प्राप्त होगा । मुनि श्री ने कहा कि जब सुदामा द्वारकाधीश के दरबार में जाते हैं वह अपने साथ कपड़े की पोटली में मुट्ठी भर चावल लेकर जाते हैं इससे ज्यादा उनके पास कुछ भी ले जाने को नहीं था जब सुदामा श्री कृष्ण के पास पहुंचते हैं अपनी भेंट श्रीकृष्ण को देते हुए कहते हैं ऐ मित्र तुम्हारी भाभी ने तुम्हारे लिए कुछ भेजा है जब श्री कृष्ण उस कपड़े की पोटली को खोल कर देखते हैं। बड़े ही प्रसन्न मन से सुदामा द्वारा लाए हुए चावलों को ऐसे ही खा जाते हैं। जैसे बहुत दिनों से कुछ खाया ना हो। जब भी तुम लोग किसी बड़े के यहां जाओ कुछ ना कुछ भेंट लेकर जरूर जाना। सुदामा ने किसान के खेत के बीज रूपी चावल श्रीकृष्ण को भेंट किए थे श्री कृष्ण ने उस बीज के बदले पूरी फसल सुदामा को भेंट की। श्री कृष्ण ने पहले उन चावल को खाया फिर उनको फसल के रूप में वापस लौटा दिया श्रीकृष्ण ने ऐसा इसलिए किया कि सुदामा को कुछ ऐसा अनुभव ना हो इन्होंने हमें कुछ वैसे ही दे दिया। मुनिराज आदि कुमार को आहार दान देने का सौभाग्य राजा सोम एवं राजा श्रेयांश को प्राप्त हुआ।

समवशरण में किया धर्म सभा को सम्बोधित

मुनि श्री दोपहर 3:00 बजे समवशरण में विराजमान हुए उन्होंने कहा कि जैन दर्शने के अनुसारे केवले विशुद्धतम ज्ञान को कहते हैं। इस ज्ञान के चार प्रतिबंधक कर्म होते हैं- मोहनीय, ज्ञानावरण, दर्शनवरण तथा अंतराय। इन चारों कर्मों का क्षय होने से केवलज्ञान का उदय होता हैं। इन कर्मों में सर्वप्रथम मोहकर का, तदनन्तर इतर तीनों कर्मों का एक साथ ही क्षय होता है। ऐसी कोई भी वस्तु नहीं, ऐसा कोई पर्याय नहीं जिसे केवलज्ञान से संपन्न व्यक्ति नहीं जानता। फलतः आत्मा की ज्ञानशक्ति का पूर्णतम विकास या आविर्भाव केवलज्ञान में लक्षित होता है इसी के साथ केवल ज्ञान कल्याणक संपन्न हुआ। कमेटी के लुइस चौधरी, विमल जैन एवं बाबा नायक ने बताया कि गुरुवार को मोक्ष कल्याण मनाया जाएगा।

23 फरवरी को निकलेगी विशाल भव्य गजरथ फैरी

मध्यप्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि कल 23 फरवरी को भगवान का निर्वाण कल्याणक मनाया जायेगा इसके बाद विश्व शांति महायज्ञ में बृहद मंत्रोच्चार के साथ आहुतियां मुख्य पात्रों के साथ सभी इन्द्र इन्द्राणीयो द्वारा समर्पित की जाएगी दोपहर में विशाल भव्य गजरथ फैरी होगी जिसे देखने पूरे अंचल से भक्तों का सैलाब उमड़ेगा। गजरथ महोत्सव में भगवान की मुख्य वेदी की सात प्रदीक्षणा दी जाएगी गजरथ पर विराजमान प्रभु के दर्शन बहुत दुर्लभ व महा मंगलकारी होते हैं जो भक्त जिस कामना को लेकर आता है वे मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

वेद ज्ञान

संतुलन और समता

सफल जीवन के लिए समता और संतुलन का अभ्यास जरूरी है। समता और संतुलन की साधना करने वाला व्यक्ति द्वंद्वात्मक स्थितियों में प्रभावित नहीं होता। श्रीकृष्ण कहते हैं कि हे अर्जुन! जो पुरुष न किसी से द्वेष करता है और न किसी की आकांक्षा रखता है वह कर्मयोगी सदा संन्यासी ही समझने योग्य है। राग-द्वेष द्वंद्वों से रहित पुरुष सुखपूर्वक संसार बंधन से मुक्त हो जाता है। एक साधक के मन में कभी उतार-चढ़ाव और कभी राग-द्वेष के भाव आ सकते हैं, किंतु जिसमें राग-द्वेष का भाव आता रहता है वह साधक नहीं होता। सच्चे साधक की भूमिका वह होती है जहां आकांक्षा और द्वेष दोनों छूट जाते हैं। जो आशा के पाश से जकड़े हुए हैं वे साधक कहलाने के योग्य नहीं होते। गीता के अनुसार आकांक्षा पूर्णतया न भी छूट पाए तो वह कम से कम हो जाए। गृहस्थ लोगों के लिए भी इच्छा का कम से कम होने का अभ्यास जरूरी है। अधिक पैसा प्राप्त करने की इच्छा रखने वाला व्यक्ति यह चिंतन करे कि मुझे दाल-रोटी मिल रही है, रहने की व्यवस्था अच्छी है, आवश्यकताओं की पूर्ति हो रही है, फिर मैं पैसे के पीछे क्यों भागूं? अब मैं साधना करूं। यही इच्छा का नियंत्रण है। प्राचीन संस्कृत साहित्य में तो यहां तक कहा गया है कि जितने से पेट भर जाए उतना संग्रह तो पास में रखना आदमी का अधिकार है उससे ज्यादा कोई रखता है तो वह चोर है। सारांश यह है कि संग्रह मत करो और ज्यादा इच्छा मत रखो। जिसमें समता और संतुलन का विकास हो गया और जो निर्द्वंद्व हो गया यानी प्रियता-अप्रियता और आकांक्षा-द्वेष इन द्वंद्वों से जो मुक्त हो गया वह बंधन से मुक्त हो जाता है। जिसने समत्व का अभ्यास कर लिया उससे बड़ा और क्या योग अभ्यास हो सकता है। कितने ही प्राणायाम कर लिए जाएं, कितना ही ध्यान कर लिया जाए, किंतु समता से बढ़कर कोई योग नहीं हो सकता। प्रसन्नता को प्राप्त करने के लिए समता और संतुलन का होना अपेक्षित होता है। गीता में तीन योग बताए गए हैं-कर्मयोग, ज्ञानयोग और भक्ति योग। ज्ञान का अभ्यास करते-करते समता का शिखर प्राप्त हो सकता है। भक्ति का अभ्यास करते-करते समता की परम भूमिका पर आरोहण हो सकता है।

संपादकीय

शीर्ष पदों पर बैठे लोग जानें अपनी जिम्मेदारी...

शीर्ष पदों पर बैठे लोगों के लिए गोपनीयता एक आवश्यक शर्त होती है और अंदरखाने की चीजों की इस तरह चर्चा नहीं की जा सकती। चेतन शर्मा ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) के मुख्य चयनकर्ता के पद से इस्तीफा दे दिया है। फिलहाल उनके सामने इससे बेहतर कोई रास्ता भी नहीं था। क्रिकेट की भाषा में कहें तो उन्हें ''**हिट विकेट**'' होकर जाना पड़ा, जिसमें बल्लेबाज खुद ही स्टंप पर बल्ला मारकर मैदान से लौट जाता है। यह दूसरी बार है जब मुख्य चयनकर्ता के रूप में चेतन अपनी पारी पूरी नहीं कर पाए। पहली बार अक्टूबर, 2020 में वे मुख्य चयनकर्ता बने, लेकिन नवंबर 2022 में टी20 विश्वकप में मिली हार के बाद बीसीसीआइ ने शर्मा सहित पूरी चयन समिति को बर्खास्त कर दिया था। हालांकि उन्होंने दोबारा आवेदन किया और जनवरी, 2022 में फिर चयन समिति के अध्यक्ष बने, लेकिन इस बार महज बयालीस दिन में ही उन्हें जाना पड़ा है। दरअसल, एक

'**स्टिंग आपरेशन**' में जिस तरह से उन्हें खिलाड़ियों के बारे में, सौरभ गांगुली और पूर्व कप्तान विराट कोहली के बीच अहं के टकराव और खिलाड़ियों द्वारा सुई लेने जैसी तमाम बातें करते हुए दिखाया गया, उसके बाद उनका पद पर बने रहना वैसे भी उचित नहीं था। एक झटके में उन्होंने खिलाड़ियों, टीम प्रबंधन और बोर्ड का विश्वास खो दिया। यों चेतन शर्मा के पास ग्यारह साल लंबे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सफर का अनुभव रहा है। इसलिए उम्मीद की जाती है कि वे टीम, उसके प्रबंधन से जुड़ी बारीकियों और संवेदनशीलता की समझ रखने के मामले में बेहतर साबित होंगे। उनके अनुभवों और काबिलियत के मद्देनजर ही उन्हें भारतीय टीम के लिए इतने महत्त्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी सौंपी गई होगी लेकिन यह समझना मुश्किल है कि टीम को बेहतर बनाने और उसके प्रबंधन में अपनी भूमिका का निर्वहन करने के बजाय उसकी कमजोरियों को लेकर वे इस हद तक लापरवाही से भरा रुख कैसे अपना सकते हैं। जो बातें उनके हवाले से सामने आई हैं, बिना किसी मजबूत आधार के किसी खिलाड़ी के बारे में कहीं भी ऐसा नहीं बोला जाना चाहिए। अगर उनके भीतर कोई सवाल था भी तो उसके लिए बाकायदा एक तंत्र बना हुआ है और उसके दायरे में वे इस मसले पर अपनी बात रख सकते थे, अपनी शंकाओं का हल कर सकते थे। लेकिन उनकी महज एक लापरवाही ने उनकी विश्वसनीयता को कठघरे में खड़ा कर दिया। अब जिन हालात में उनकी विदाई हुई, है, उसे चेतन शायद नहीं भूल पाएंगे। यह प्रकरण इस बात की ओर भी इशारा करता है कि शीर्ष पदों पर बैठे लोगों को बातचीत में कितना सावधान रहने की आवश्यकता है, क्योंकि मामूली असावधानी खिलाड़ियों, टीम प्रबंधन और बोर्ड के पदाधिकारियों को असहज स्थिति में डाल सकती है। माना कि वे ''स्टिंग आपरेशन'' के शिकार हुए, लेकिन यह कहना होगा कि उन्हें खिलाड़ियों और बोर्ड से जुड़ी चीजों की चर्चा से बचना चाहिए था।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

विस्तारवाद

चीन और पाकिस्तान को लेकर भारत के रुख को समर्थन मिल रहा है तो इसे वैश्विक स्तर पर सच का सामना की तरह देखा जा सकता है। पिछले कुछ समय से यह साफ देखा जा सकता है कि भारत आतंकवाद और विस्तारवाद की भूख के खिलाफ जो सवाल उठाता रहा है, उसे अनेक देशों में न सिर्फ विचार के लिए जरूरी समझा जाने लगा है, बल्कि अब उन पर स्पष्ट रुख भी जाहिर किया जा रहा है। हालांकि इस तरह के मुद्दों पर वैश्विक स्तर पर लंबे समय तक उदासीनता छाई रही, जिसका खमियाजा यह हुआ कि आतंकवादी संगठनों का हौसला बढ़ा और नाहक दूसरे देशों की सीमाओं में दखल देने वाले चीन जैसे देश को अपना रास्ता निर्बाध लगा लेकिन अब दुनिया में भारत के बढ़ते कद के साथ यह तस्वीर बदलने लगी है। गौरतलब है कि अमेरिकी सीनेट में एक द्विदलीय प्रस्ताव पेश किया गया है, जिसमें भारत की वास्तविक नियंत्रण रेखा पर यथास्थिति को बदलने की चीन की आक्रामकता का विरोध किया गया है। साथ ही अरुणाचल प्रदेश पर चीन के हर दावे को खारिज करते हुए इसे भारत के अभिन्न अंग के रूप में मान्यता देने की स्पष्ट वकालत की गई है। इस प्रस्ताव को अमेरिका में भारत के पक्ष को लेकर बन रही राय और स्पष्टता के तौर पर देखा जा सकता है, मगर यह भी सच है कि विश्व के प्रभावशाली देशों में अब हो रही ऐसी पहलकदमी के लिए भारत को लंबे समय तक दुनिया को आईना दिखाना पड़ा है। यह किसी से छिपा नहीं है कि पाकिस्तान स्थित ठिकानों से अपनी गतिविधियां संचालित करने वाले आतंकी संगठनों को लेकर भारत ने तथ्यों के साथ संयुक्त राष्ट्र सहित तमाम अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी बात रखी। लेकिन तकनीकी जटिलताओं का हवाला देकर इस मामले में ज्यादातर देश कोई स्पष्ट रुख अख्तियार करने से बचते रहे। लेकिन एक महीने पहले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक समिति ने पाकिस्तान स्थित आतंकवादी और लश्कर-ए-तैयबा में अनेक भूमिकाएं निभाने वाले अब्दुल रहमान मक्की को वैश्विक आतंकवादी घोषित कर दिया। इसकी मांग भारत काफी अरसे से कर रहा था। अब चीन को लेकर अमेरिकी सीनेट में जो पहलकदमी हुई है, उसकी अहमियत को भी इस दृष्टिकोण से देखा जा सकता है कि एक ओर जहां भारत को कूटनीतिक मोर्चे पर दुनिया को अपने पक्ष को सही साबित करने में कामयाबी मिल रही है, वहीं खुद कुछ देशों को यह हकीकत समझ में आने लगी है कि चीन और पाकिस्तान की ओर से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से किस तरह नाहक दखलअंदाजी की जाती रही है। दरअसल, चीन के मसले पर अमेरिकी सीनेट में इस प्रस्ताव की खास अहमियत इसलिए भी है कि इसे वहां के दोनों विरोधी दलों यानी डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी के दो नेताओं की ओर से संयुक्त रूप से पेश किया गया है। यह वहां भारत को लेकर बन रही व्यापक सहमति का सूचक है। यह छिपा तथ्य नहीं है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर यथास्थिति में छेड़छाड़ की मंशा से चीन आए दिन अपने सैन्य बलों के इस्तेमाल से लेकर विवादित क्षेत्रों में गांवों के निर्माण सहित उकसावे वाली कई तरह की कार्रवाइयां करता रहता है। यही नहीं, अक्सर चीन अरुणाचल प्रदेश को अपना क्षेत्र होने के दावे करता रहता है, जिससे उसकी आक्रामक और विस्तारवादी नीतियों की भूख का ही पता चलता है। अमेरिका में पेश प्रस्ताव में चीन की ऐसी हरकतों की साफ शब्दों में निंदा की गई है। यों भारत अपनी सीमाओं की रक्षा अपने स्तर पर करने में सक्षम है और हर मौके पर यह साबित भी हुआ है, लेकिन अब अगर अन्य बड़ी शक्तियों की ओर से भी चीन और पाकिस्तान को लेकर भारत के रुख को समर्थन मिल रहा है तो इसे वैश्विक स्तर पर सच का सामना की तरह देखा जा सकता है।

श्री महावीर कॉलेज में वार्षिकोत्सव व आर्शीवचन मनाया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री महावीर कॉलेज में बुधवार दिनांक 22 फरवरी को महावीर सभागार में "वार्षिकोत्सव व विदाई समारोह का आयोजन मस्ती और

जोश के साथ किया गया। वार्षिकोत्सव की थीम "DOSTI " रखी गई जिसमे नृत्य दर्शाते हुए कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुती दी गयी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा की गयी वर्ष पर्यन्त गतिविधिया - Academics, Non-academics वर्ग के अन्तर्गत College Topers, Most Regular Student, Outstanding Performers के पुरस्कार वितरित किये गये। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एडवोकेट हेमंत सौगानी ,महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद के अध्यक्ष उमरावमल संधी ,मंत्री सुनील बख्शी ,उपाध्यक्ष मुकुल कटारिया, कोषाध्यक्ष महेश काला, संयुक्त सचिव कमलबाबू जैन, मनीष बैद, राजेन्द्र बिलाला ,प्रो अमला बत्रा ,ऋषम् गोदिका, कॉलेज कन्वीनर सीए प्रमोद पाटनी एवं शिक्षापरिषद् के अन्य गणमान्य सदस्यों ने दीप प्रज्वलन द्वारा किया। कॉलेज कन्वीनर सीए प्रमोद पाटनी ने अपने अभिभाषण से विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया एवं उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। मानद मंत्री सुनील बख्शी ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। मुख्य अतिथि हेमंत सोगानी जो इसी विद्यालय के पूर्व छात्र रह चुके है ने अपने अभिभाषण मे बच्चों को आगे बढ़ने व पूरे मन से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। स्टुडेंट्स द्वारा मनमोहक रंगारंग प्रस्तुतिया दी गई। प्राचार्य डॉ. आशीष गुप्ता ने बताया कि वार्षिकोत्सव के साथ ही साथ विदाई समारोह का आयोजन भी किया गया। इसमें बी कॉम पासकोर्स ,बी कॉम आनर्स, बीबीए ,बीसीए और एम कॉम एच आर एम एवं ए बी एस टी के अन्तिम सत्र के छात्र/ छात्राओं को विदाई दी गई। इन सभी विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह देकर विदा किया गया। उपरोक्त कार्यक्रम में Ramp Walk, Question & Answer & Internal Evaluation के माध्यम से Mr.ADIEU 2023 Laksh Yadav और Miss ADIEU-2023 Kashish Sharma चुने गये।

भगवान महावीर के 2621 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के द्वारा

मुख्य प्रायोजक

R K GROUP

Kishangarh, Rajasthan

www.rkmarble.com | www.wondercement.com

WONDER CEMENT EK PERFECT SHURUAAT

सह प्रायोजक

ARL Infratech Ltd.

हास्य व्यंग्य कवि सम्मेलन

शनिवार, 25 फरवरी 2023

समय : सायं 7.00 बजे से

:: स्थान ::

भट्टारक जी की नशियां,

नारायण सिंह सर्किल, टोंक रोड़, जयपुर

आंमत्रित कविगण

श्री प्रताप फौजदार (हास्य सम्राट)

श्री बुद्धि प्रकाश दाधीच (हास्य एवं राज. गीतकार)

श्री शम्भू शिखर (हास्य पैरोडी सम्राट)

श्री सुनील व्यास मुंबई (हास्य व्यंग्य)

श्री पी.के.मस्त (हास्य व्यंग्य)

स्वर कोकिला कल्पना शुक्ला (श्रंगार)

श्री कमलेश जैन 'वसन्त' (मंच संचालन)

आमंत्रित अतिथिगण

समारोह गौरव	मुख्य अतिथि	अध्यक्षता	दीप प्रज्जवलनकर्त्ता
श्रीमान् अशोक जी पाटनी आर. के. मार्बल ग्रुप	श्रीमान् नन्द किशोर जी प्रमोद जी पहाड़िया ए. आर. एल. ग्रुप	श्रीमान् विनोद जी तिजारिया प्रमुख समाज सेवी	श्रीमान् उमराव मल जी संघी अध्यक्ष-श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद्

विशिष्ट अतिथि	विशिष्ट अतिथि	विशिष्ट अतिथि	विशिष्ट अतिथि	विशिष्ट अतिथि	विशिष्ट अतिथि
श्रीमान् शैलेन्द्र जी गोधा सम्पादक-दैनिक समाचार जगत	श्रीमान् सुरेन्द्र जी पाण्ड्या राष्ट्रीय महामंत्री-दिगम्बर जैन महासमिति	श्रीमान् निर्मल जी सौगानी सदस्य-नेशनल रोड़ सेफ्टी कॉउन्सिल (NRSC)	श्रीमान् विनय जी सौगानी प्रमुख व्यवसायी एवं समाज सेवी	डॉ. पी.सी. जैन प्रमुख समाज सेवी	श्रीमान् जितेन्द्र जी गंगवाल मेडिकल व्यवसायी एवं समाज सेवी

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन के आमंत्रित इन्दौर से राष्ट्रीय पदाधिकारीगण

जयपुर मे प्रथम वार आगमन

राष्ट्रीय अध्यक्ष	राष्ट्रीय महासचिव	निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष	पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष	संयुक्त सचिव
श्रीमान् राकेश जी विनायका	श्रीमान् विपुल जी बॉझल	श्रीमान् कमलेश जी कासलीवाल	श्रीमान् विमल जी अजमेरा	श्रीमान् आशीष जी सूत वाले

आप सपरिवार इष्टमित्रों सहित सादर आमंत्रित हैं ।

:: आयोजन समिति ::

मुख्य समन्वयक	परामर्शक	समन्वयक	सह-समन्वयक	सह-समन्वयक	सह-समन्वयक	सह-समन्वयक
यश कमल - संगीता अजमेरा	दर्शन - विनीता बाकलीवाल	मनीष - शोभना लोंग्या	विनोद - हेमा सोगानी	चक्रेश -पिंकी जैन	राजेश - रानी पाटनी	अनिल - ज्योति जैन चौधरी

संयोजक :: धीरज-सीमा पाटनी, नितेश-मीनू पाण्ड्या, संजय-ज्योति छाबड़ा, सपन-रजनी जैन छाबड़ा, पंकज-नीना जैन, विजय-माया झांझरी, सुधीर-अलका गोधा, अजय-वर्षा बाकलीवाल

सहयोगी दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप :: जयपुर मेंन, गुलाबी नगर, आदिनाथ, नवकार, जैन भारती, मैत्री, डायमंड, वर्धमान, पार्श्वनाथ, तीर्थंकर, ब्लू स्टार, पिंक पर्ल, वात्सल्य, संगिनी फॉरएवर, सम्यक, वीर, जनक श्री, स्वस्तिक, विराट, मालपुरा, गंगापुर सिटी, दौसा, सीकर, श्री महावीर जी

ग्रुप संयोजक :: डॉ. राजेन्द्र कुमार जैन, सुनील बज, कैलाश चन्द बिंदायका, मोहनलाल गंगवाल, श्रीमती प्रमिला शाह, सुनील जैन, प्रमोद सोनी, अनिल पाटनी, रवि सेठी, ईजी. पी.सी. छाबड़ा, डॉ.मोहन लाल जैन 'मणी', राजेश चौधरी, श्रीमती बीना टोंग्या, श्रीमती शकुन्तला बिन्दायका, महावीर बोहरा, नीरज जैन, सतीश बाकलीवाल, बसंत जैन

आयोजक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर

राकेश–समता गोदिका अध्यक्ष	दिनेश–संगीता गंगवाल परामर्शक	मनीष–शोभना लोंग्या कार्याध्यक्ष	सुनील–सुनीता गोदिका उपाध्यक्ष	चक्रेश–पिंकी जैन उपाध्यक्ष	राकेश–रेणु संघी उपाध्यक्ष	महेन्द्र–सुनिता कासलीवाल उपाध्यक्ष	अनिल–निशा संघी सचिव

अनिल–अनिता जैन कोषाध्यक्ष	राजेश–रितु छाबड़ा संगठन सचिव	राजेश–रानी पाटनी संगठन सचिव	प्रदीप–प्राची बाकलीवाल संयुक्त सचिव	चेतन–डॉ. अनामिका पापडीवाल संयुक्त सचिव	कमल–मंजु ढोलिया सांस्कृतिक सचिव	राजेन्द्र–कुसुम जैन खेल सचिव

कार्यकारिणी सदस्य : अनिल-ज्योति चौधरी ✻ डॉ अनुपम-विनीता जैन ✻ सपन-रजनी छाबड़ा ✻ नितेश-मीनू पाण्ड्या विशेष आमंत्रित : अशोक-अर्चना पाटनी ✻ अशोक सेठी

निवेदक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप राजस्थान रीजन, जयपुर

राजेश बड़जात्या अध्यक्ष	अनिल जैन IPS संस्थापक अध्यक्ष	महेन्द्र कुमार पाटनी वरिष्ठ परामर्शक	सुरेन्द्र कुमार पाण्ड्या परामर्शक	नवीन सेन जैन परामर्शक	यश कमल अजमेरा निर्वतमान अध्यक्ष	अतुल बिलाला पूर्व अध्यक्ष	पारस कुमार जैन कोषाध्यक्ष	निर्मल संघी महासचिव

सम्पर्क सूत्र :: 9414078380, 9829067076, 9785074581, 9887555249, 9414073035

राकेश – समता गोदिका

अध्यक्ष : दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

बीके शिवानी दीदी की प्रेरणामय वाणी सुनने के लिए उत्साहित भीलवाड़ावासी

एक मार्च को मोदी ग्राउंड पर भीलवाड़ावासियों को देंगी जिंदगी आसान बनाने का संदेश

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा । आध्यात्मिक नगरी भीलवाड़ा में पहली बार आ रही अन्तरराष्ट्रीय आध्यात्मिक प्रवक्ता एवं राष्ट्रपति द्वारा नारी शक्ति अवार्ड से सम्मानित ब्रह्माकुमारी शिवानी दीदी के एक मार्च को आयोजित होने वाले कार्यक्रम को लेकर शहर में उत्साह का माहौल बन गया है। भीलवाड़ावासी उनकी प्रेरणामय वाणी सुनने के लिए उत्सुकता दिखा रहे है। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के तत्वावधान में शाम 6 से 8 बजे तक आरसी व्यास कॉलोनी के मोदी ग्राउण्ड (भीमगंज स्कूल मैदान) में आयोजित हो रहे कार्यक्रम में शिवानी दीदी सुख, शांति एव तनावमुक्त जीवन के लिए ''**जिंदगी बने आसान**'' विषय पर उद्बोधन प्रदान करेंगी। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए ब्रह्माकुमारी के स्थानीय सेवा केन्द्र तत्परता से जुटे हुए है। कार्यकर्ताओं को अलग-अलग दायित्व सौंपे आयोजन की तैयारियां की जा रही है। ब्रह्माकुमारी इंदिरा दीदी ने बताया कि आयोजन को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ता बहिन-भाई निरन्तर सेवा में जुटे हुए हैं। शिवानी दीदी के आगमन की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न स्थानों पर बैनर,पोस्टर व होर्डिंग भी लगाए गए हैं। विभिन्न सामाजिक

संगठन भी इस आयोजन को सफल बनाने में सहयोग प्रदान कर रहे है। बीके अमोलक भाई ने बताया कि फोन के माध्यम से या सेवा केन्द्रों पर उपस्थित होकर लोग इस आयोजन के बारे में विस्तृत जानकारी हासिल कर रहे है। आयोजन स्थल पर शिवानी दीदी की प्रेरणास्पद वाणी सुनने के लिए आने वाले श्रोताओं को किसी तरह की परेशानी नहीं आए इसके लिए सभी

शिवानी दीदी के आगमन की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न स्थानों पर बैनर,पोस्टर व होर्डिंग भी लगाए गए हैं।

जरूरी प्रबंध भी किए जा रहे है। बीके शिवानी दीदी के एक मार्च को आध्यात्मिक प्रवचन के बाद ब्रह्मकुमारीज के भीलवाड़ा विजयसिंह पथिकनगर स्थित सेवा केन्द्र पर 2 से 4 मार्च तक तीन दिवसीय निःशुल्क राजयोग मेडिटेशन शिविर का आयोजन किया जाएगा। ये शिविर सुबह 7 से 8 एवं शाम 7 से 8 बजे तक आयोजित होगा। केवल महिलाओं के लिए तीनों दिन शिविर शाम 4 से 5 बजे तक होगा। शिविर का शुभारंभ ब्रह्माकुमारी शिवानी दीदी के सानिध्य में होगा। शिविर के लिए ब्रह्माकुमारीज के स्थानीय केन्द्रों के साथ ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन भी कराया जा सकता है।

श्री यश सुधा प्रतिष्ठान की भूमि पूजन नींव का मुहूर्त हुआ: आटूण रोड़ भीलवाड़ा

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। गुणगान से हुआ नव निर्मित यश सुधा प्रतिष्ठान सेवा समिति के भूमि पूजन कार्यक्रम का शिलान्यास। समिति मंत्री सुशील चपलोत,सुरेन्द्र चौधरी ने जानकारी देते हुये बताया कि राजस्थान प्रवर्तिनी गुरूणी मय्या यशकंवर जी महाराज कि सुशिष्या साध्वी सुधाकंवर म,सा कि सदप्रेरणा पर भूमि प्रदाता मीठालाल,यशकुमार,संतोषदेवी सिघंवी ने साधु साध्वीयो के ठहरने तथा श्रावक श्राविकाओं के धर्म आराधना के लिये भूमि प्रदान कि जिसका बुधवार को आटूण रोड़ केसरिया पारस कॉलोनी के समीप पांच हजार स्क्वायर मे बनने वाले श्री यश सुधा प्रतिष्ठान की भूमि का मुहूर्त सुनिल,शुभम अक्षय बाफना तथा प्रतिष्ठान के संरक्षक कंवरलाल सूरिया अध्यक्ष मीठालाल सिंघवी और शिलान्यास समारोह के अध्यक्ष सुभाषचन्द्र,महावीर कुमार,ललित कुमार बाबेल तथा लक्ष्मणसिंह,संजूलता बाबेल एवं मुख्य अतिथि सुशील कुमार,अमित गौखरू विशिष्ट अतिथि शांति भवन के अध्यक्ष महेन्द छाजेड़, पारसमल लसोड़,अनिल,सम्पत कोठारी तथा भूमि पूजन कार्यक्रम मे पधारे गणमान्य जैन समाज के पदाधिकारियों मे भामाशाह महावीरसिंह चौधरी, नवरतनमल बम्ब,विमल मुणोत,मनोहरलाल सूरिया मदनलाल चौरड़िया,नंदसिंह खटोड़,राजेन्द्र सुराणा,भूपेन्द्र सिंह पंगारिया,राजेंद्र गौखरू,नवरतनमल संचेती, अशोक चौधरी,सरदारमल बाबेल समाज सेविका स्नेहलता धारीवाल, पूर्व नगर परिषद चैयरमैन मंजू पौखरना आदि सभी कि उपस्थित मे यश सुधा प्रतिष्ठान की नींव मे पत्थर रखकर निर्माण का आंरभ करवाया ।शिलान्यास समारोह के शुभारंभ मे महामंत्र नवकार का जाप किया तथा यश सुधा प्रतिष्ठान मे सहयोग देने वाले सभी लाभाथीयो का शाल माला तथा

मोमेंटो देकर सम्मान किया गया। इस दौरान साध्वी सुधाकंवर के भेजे संदेश का वाचन किया गया। जिसमे उन्होंने कहां कि इस जीवन का पैसा मनुष्य के अगले जन्म मे काम नही आ सकता है परन्तु इस जन्म का पुण्य का संचय अगर इंसान बांध लेवें तो वह जन्मों जन्म तक अपार पुण्य कमाकर अपनी इस आत्मा का उध्दार कर सकता है। भूमि पूजन आयोजन मे पधारे सभी अतिथियों और भाई बहनो का आभार व्यक्त मीठालाल सिंघवी द्वारा किया गया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

गौ मां संरक्षण महायात्रा का भव्य स्वागत, गौरक्षा का किया आव्हान : जगतगुरु श्री श्री संतोषी बाबा

अजमेर. शाबाश इंडिया

माँ को गोद लेना है अभियान के साथ 18 फरवरी को सोनीपत (हरियाणा) से जगतगुरु श्री श्री संतोषी बाबा जी के सानिध्य में प्रारम्भ हुई महायात्रा के अजमेर आगमन पर प्रमुख समाजसेवी महानुभावो, गौ भक्तों, विभिन्न गौशालाओं व अग्रवाल समाज की कई संस्थाओं के पदाधिकारियों ने जिला परिषद के बाहर भव्य स्वागत किया। श्री अग्रोहा बंधु पश्चिम क्षेत्र संस्था के सचिव पूर्व पार्षद महेंद्र जैन मित्तल व अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के जिला महामंत्री पूर्व पार्षद शैलेंद्र अग्रवाल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि गौ माता की रक्षा व गौ संरक्षण के उद्देश्य को लेकर 18 फरवरी को सोनीपत से प्रारंभ हुई यह यात्रा हरियाणा व राजस्थान के विभिन्न स्थानों से होते हुए अजमेर पहुंची, यह महायात्रा हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश व उत्तर प्रदेश के कई शहरों में लगभग एक महीने तक भ्रमण कर 27000 किलोमीटर की दूरी तय करेगी तथा यात्रा के प्रथम चरण का विश्राम वृन्दावन में होगा। इस अवसर पर जगतगुरु श्री श्री संतोषी बाबा जी ने कहा कि जब तक हम इस दुनिया में रहते हैं तब तक गौमाता से हमें दूध, दही, घी, मक्खन इत्यादि प्राप्त होता रहता है लेकिन यह बहुत ही दुःख की बात है कि हमें जन्म देने वाली अपनी माता से भी श्रेष्ठ गौमाता की आज दुर्दशा हो रही है। भूख की मारी गौमाता कचरा और प्लास्टिक खा रही है, बीमार, भूखी प्यासी, तड़पती रहती है पर हम लोग उन पर जरा भी ध्यान नही देते हैं। उन्होंने आव्हान किया कि सफल जीवन, स्वस्थ जीवन जीने के लिए गौ सेवा आवश्यक है। प्रातः काल उठने के उपरांत सबसे पहले गौमाता को स्मरण करके उनको नमन कीजिये, उनकी आरती कीजिये, प्रार्थना कीजिये और भोजन करने से पहले एक रोटी गौ ग्रास की निकालिए, यदि हम रोज एक रोटी गौ माता के नाम से निकालेंगे और गौ माता को देंगे तो हम देखेंगे कि हमारे जीवन में कितना बड़ा परिवर्तन आएगा यह सिर्फ कोरी कल्पना मात्र नही है बल्कि आदि काल से ऋषि मुनियों द्वारा भी इसका प्रयोग होता रहा है। हमारे सभी रुके हुए काम, शारीरिक दुःख गृह क्लेश आदि कई समस्याओं से हमें जल्द ही राहत मिल जायेगी। जगतगुरु श्री श्री संतोषी बाबा जी ने आव्हान किया कि हम सब मिलकर संकल्प लें कि खाने से पहले एक रोटी गौ माता के नाम की और सोने से पहले एक ईंट गौ माता के नाम की निकालें और यह हमारी दी हुई रोटी गौमाता का चारा होगा और दी हुई ईंट गौ माता की छत होगी आश्रय होगा। इस महा यात्रा में श्री श्री संतोषी बाबा जी के साथ अनेक साधु संतों व गौभक्तों तथा बाबाजी के अनुयायियों का काफिला भी साथ चल रहा है। अजमेर आगमन पर पूर्व पार्षद महेंद्र जैन मित्तल, पूर्व पार्षद शैलेंद्र अग्रवाल, विश्व हिंदु परिषद के एडवोकेट शशि प्रकाश इंदोरिया व लेखराज सिंह राठौड़, नगर निगम के उप महापौर नीरज जैन, समाजसेवी सुभाष काबरा, आनंद प्रकाश अरोड़ा, लायन हनुमान दयाल बसंल, उषा बंसल, लायन सुनीता राजेंद्र ठाड़ा, अग्रोहा बंधु पश्चिम क्षेत्र संस्था के अध्यक्ष डॉ विष्णु चौधरी, अग्रवाल समाज अजमेर के अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, संरक्षक कैलाशचंद अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजकुमार गर्ग, कोषाध्यक्ष दिनेश प्रणामी, सचिव राजेंद्र अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद मित्तल, प्रदीप अग्रवाल, अग्रवाल सेवा संस्था अध्यक्ष प्रदीप बंसल, सचिव संदीप बंसल, श्री पुष्कर गौ आदि पशुशाला के सचिव संजय अत्तार, नवनीत प्रणामी, श्री सीता गौशाला व्यवस्थापक मनोज सिंहल, नसीराबाद गौशाला के मणिकांत शर्मा, पूर्व पार्षद सुरेश गोयल, एडवोकेट अजय गोयल, लायन नरेश ऐरन, अग्रवाल पंचायत निसबरियान धड़े के सचिव संदीप गोयल, वरिष्ठ समाजसेवी रामचरण बंसल, अगम प्रसाद मित्तल, कमल किशोर गर्ग, लक्ष्मी नारायण हटूका, पार्षद अशोक मुद्गल व सुरेंद्र चौधरी सहित अनेक गौ भक्तों व समाज सेवी बंधुओं ने महाराज जी व उनके साथ आये हुए साधु संतों का शॉल औढाकर, माल्यार्पण कर व पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। अजमेर से यात्रा ब्यावर के लिए प्रस्थान कर गयी।

राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण की नई वेबसाइट लांच

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण की नई एवं अपडेटेड वेबसाइट को अधिकरण के अध्यक्ष श्री अश्विनी भगत ने लांच किया। उल्लेखनीय है कि अधिकरण द्वारा राज्य के कार्मिकों की सेवा संबंधी वादों की सुनवाई की जाती है। आमजन को राजस्थान सरकार द्वारा त्वरित न्याय एवं पारदर्शिता के साथ सूचनाओं के संप्रेषण के लिए इस वेबसाइट को लांच किया गया है। अधिकरण के रजिस्ट्रार पंकज ओझा ने बताया कि वेबसाइट को सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा विकसित किया गया है।

फोटो: सतीश अकेला चित्रांकन

श्री श्री दिगम्बर जैन पार्श्वनाथ मन्दिर विराटनगर में श्रीमज्जिनेन्द्र कुन्थुनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव व विश्व शांति महायज्ञ का चौथा दिन

दूध का सार है घी, साधना का सार है सिद्धि : आचार्य श्री सुनील सागरजी

तपकल्याणक में हुए वैराग्यमयी दृश्य

जयपुर. शाबाश इंडिया। मत्स्य प्रदेश की राजधानी अरावली पर्वत श्रंखला में स्थित विराटनगर में तपस्वी सम्राट आचार्य श्री सन्मति सागर जी गुरुदेव के पट्ट शिष्य चर्या शिरोमणि प्राकृतआचार्य 108 श्री सुनील सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में चल रहे 6 दिवसीय श्रीमज्जिनेन्द्र कुन्थुनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव में बुधवार को तपकल्याणक की क्रियाएं हुई। इस अवसर पर भगवान का राज्याभिषेक,प्रभु का वन विहार,भगवान का वैराग्य व दीक्षा के वैराग्यमयी दृश्यों को देख श्रावक-श्राविकाओं का मन वैराग्य से भर उठा। उक्त जानकारी देते हुऐ आयोजन समिति से जुड़े राजीव गाजियाबाद ने बताया कि महोत्सव के चौथे दिन बुधवार को प्रतिष्ठाचार्य पंडित महावीर जी गींगला उदयपुर व जयपुर के डॉ.सनत कुमार जैन व ब्रह्मचारी विनय भैया एवं संजय भैया के निर्देशन में सुबह श्रीजी का अभिषेक,शांतिधारा के पश्चात के बाद जन्मकल्याणक पूजा की गई इस अवसर पर सौधर्म इन्द्र श्रीमती गुणमाला धर्मचन्द पहाडिया,धनपति कुबेर श्रीमती सीमा राजीव जी गाजियाबाद वाले, महायज्ञनायक श्रीमती मौसमी विराट दीवान सहित अन्य इन्द्र-इन्द्राणियों ने आया मंगल दिन,मंगल अवसर पर.....रोम-रोम पुलकित हो जाए...जैसी भजनों की स्वर लहरियों के बीच अर्घ्य अर्पण किये। इसके बाद ,तीर्थंकर प्रभु का वनविहार,वन गमन के दृश्य दिखाए गए। महोत्सव के पुनीत अवसर पर मुनिराजों ने केशलोंच भी किए। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक रूपेन्द्र छाबड़ा ने जानकारी देते हुये बताया कि जयपुर के ऋषभ भैया को आचार्य श्री के कर कमलों से क्षुल्लक दीक्षा प्रदान की गई। महोत्सव समिति के अध्यक्ष /मंत्री संतोष जैन एवं विनोद जैन ने संयुक्त जानकारी देते हुए बताया कि इस महोत्सव के मंगलमयी प्रसंग पर हुई धर्मसभा में आचार्य उपदिष्ट हुए आचार्यश्री ने कहा कि जिसने सम्यकदर्शन के लिए पहला कदम नहीं उठाया? जिसे अभी तक भेदज्ञान नहीं हुआ और जिन लोगों ने वीतरागी देव,शास्त्र व गुरु की परख नहीं की,जिसने आत्मस्वरूप को भी नहीं जाना,वह कितने भी कदम चल ले पर मंजिल तक नहीं पहुंचता, बिना धर्म के वास्तविक स्वरूप को जाने बिना कुछ भी हाथ नहीं आएगा। उन्होंगे आगे कहा कि धर्मसभा में आने वाले को कम से कम प्रसादी तो हाथ तो आ ही जाएगी। जीवन में जो धर्म के उपदेशों को सुनकर उसमें डूबते है और जीवन में उतारते है तो निश्चत ही उनकी काया पलट हो जाती है। आज तक हम संसार में यूंही ही भटक रहे है,तो समझ लेना आज तक हमारी कोशिश अधूरी है। चाहे जितना भी हो जाए लेकिन पहला कदम जरूरी है। सम्यक दर्शन हमारा पहला कदम है। तभी जीवन का कल्याण हो पाएगा। समझ लीजिये दूध का सार है घी,-और साधना का सार है सिद्धि। प्रतिष्ठा महोत्सव के सह प्रतिष्ठाचार्य रमेश गंगवाल ने बताया ने बताया कि मध्याह्न में युवराज कुन्थुनाथकुमार का राज्याभिषेक एवं चक्रवर्ती बारात का नगर भ्रमण हुआ। अभिषेक,महाराजा सूर्यसैन का दरबार भगवान का वैराग्य,दीक्षा के कार्यक्रम हुए। सायंकाल आरती की गई। महोत्सव के तहत गुरुवार को सुबह 6.30 बजे से ज्ञानकल्याणक मनाया जाएगा। भगवान के तप कल्याणक की पूजा और कल्याण मंदिर विधान के पश्चात प्रवचन,तीर्थंकर महामुनिराज की आहारचर्या के बाद मध्याह्न 1 बजे सूरिमंत्र केवलज्ञान कल्याणक की अभ्यंतर क्रिया, मध्याह्न 3 बजे आचार्यश्री के द्वारा समवशरण में दिव्य देशना व रात्रि में 7 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद सम्मान समारोह का कार्यक्रम होगा।